कांग्रेसियों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

बदनावर। राज्यपाल के बदनावर दौरे के दौरान किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर मुलाकात करने पहुंचे कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को प्रशासन द्वारा रोके जाने से रविवार को राजनीतिक माहौल गरमा गया। प्रतिनिधिमंडल ने इसे किसानों की आवाज दबाने का प्रयास बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया और अंततः राज्यपाल के नाम ज्ञापन तहसीलदार को सौंप दिया।

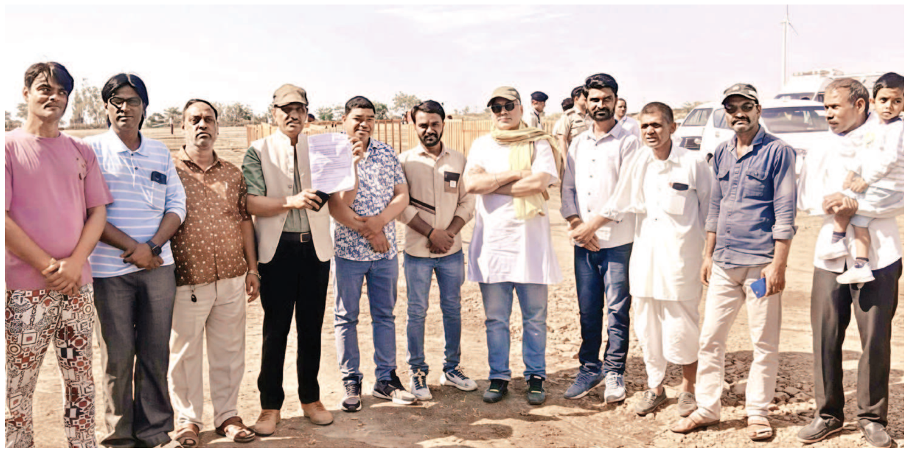

जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे राज्यपाल तक किसानों की पीड़ा पहुंचने से रोकना लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा प्रहार है। कांग्रेस के अनुसार, 4 अप्रैल 2026 को बदनावर विधायक भंवर सिंह शेखावत ने एसडीएम को पत्र लिखकर प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात की अनुमति मांगी थी, लेकिन इसके बावजूद 5 अप्रैल 2026 को जिला संगठन सचिव परितोष सिंह (बंजी बना), ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष निरंजन सिंह पिटगारा, शंभूजी सरपंच, अतुल बाफना, प्रकाश पार्षद, विनोद शर्मा, मनोहर मकवाना, टीकम सिंह और राधेश्याम भाटी सहित अन्य कार्यकर्ता जैसे ही नागेश्वर हेलीपेड पहुंचे, पुलिस और प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया। प्रारंभिक चर्चा में एसडीएम ने ज्ञापन लेने की बात कही, लेकिन प्रतिनिधिमंडल ने साफ कहा कि जब सरकार किसानों की समस्याएं नहीं सुन रही, तब राज्यपाल को वास्तविक स्थिति से अवगत कराना जरूरी है। इसके बाद कलेक्टर से मुलाकात कर राज्यपाल से मिलने का अनुरोध भी किया गया, जिसे अस्वीकार कर दिया गया। प्रतिनिधिमंडल ने सवाल उठाया कि जब सत्तारूढ़ दल के पदाधिकारी स्वागत और औपचारिकता के लिए राज्यपाल से मिल सकते हैं, तो किसानों के मुद्दे लेकर पहुंचे जनप्रतिनिधियों को रोकना दुर्भाग्यपूर्ण है। अंततः कांग्रेस नेताओं ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि गेहूं खरीदी तत्काल शुरू कर 2700 रुपए प्रति क्विंटल की सरकारी दर तय की जाए, ओवरड्यू किसानों की पेनल्टी माफ कर उन्हें नियमित खाताधारक माना जाए, स्मार्ट मीटर योजना पर रोक लगाई जाए, बिजली यूनिट दर कम की जाए, सोयाबीन का भावांतर भुगतान शीघ्र दिया जाए और पराली जलाने से जुड़े किसानों पर दर्ज प्रकरण वापस लिए जाएं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी ने चेतावनी दी कि किसानों के हक और सम्मान की इस लड़ाई को अब जनआंदोलन का रूप दिया जाएगा और प्रशासनिक रवैये के खिलाफ संघर्ष और तेज होगा।

स्वास्थ्य शिविर में 250 ने करवाई जांच, डॉक्टर सम्मानित

आलीराजपुर। जनसेवा की मिसाल पेश करते हुए रविवार को जैन हॉस्पिटल, बड़वानी-आलीराजपुर ने आजाद भवन बस स्टैंड, आलीराजपुर में नि:शुल्क स्वास्थ्य और जांच शिविर लगाया। जैन समाज आलीराजपुर की ओर से इस शिविर में लगभग 250 लोगों ने लाभ उठाया और विभिन्न स्वास्थ्य जांचों का लाभ प्राप्त किया।

जानकारी अनुसार शिविर में 10 तरह की जांच पूरी तरह नि:शुल्क की गई। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लोगों को जागरूक करना और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। शिविर में डॉ राजेश जैन, डॉ रोहन जैन, डॉ. निशु जैन (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ) सहित जैन हॉस्पिटल की विशेषज्ञ टीम उपस्थित रही। जैन हॉस्पिटल के प्रबंधन ने बताया कि समाज की सेवा में ऐसे नि:शुल्क शिविर भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच सकें। आयोजन में जैन समाज अध्यक्ष मनीष जैन सहित राशील जैन, अनीश जैन, आजाद जैन सहित युवा विंग के अनेक सदस्यों की बेहतरीन भूमिका रही। शिविर के समापन अवसर पर जैन समाज ने उपस्थित सभी चिकित्सा कर्मियों का बहुमान किया।

एक नजर में

बुजुर्ग ज्यादा पानी पिएं और गिरने से बचें

धार। गर्मी का मौसम हर आयु वर्ग के लिए बड़ी चुनौती का विषय है। वृद्धजनों को प्यास ना लगने पर भी ज्यादा पानी पीना चाहिए। मैदा, शक्कर, चावल व गेंहू की रोटी का प्रयोग कम करने फल व सलाद का ज्यादा उपयोग स्वस्थ्य तन व मन दोनों में उपयोगी है। हाथों में झुनझुनी, ऐंठन, विटामिन बी12 व प्रोटीन की कमी से हो सकता है। जांच करवाकर ही उपचार ले। सोशल मीडिया से सतर्क रहें तथा फिसलने गिरने से बचे। यहां आकर बहुत लगा। ये विचार एमएस आर्थो डॉ महेंद्र सिंह चौहान ने वृद्धजनों की जांच उपरांत व्यक्त किए। शिविर जांच कार्य में सुभाष बौरासी व विशाल निनामा का सराहनीय योगदान रहा। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के लाभार्थी रामेश्वर सोनी, नरवर सिंह ठाकुर व भगवंत सिंह जाट ने यात्रा अनुभव व पंजीयन जानकारी साझा की। अतिथि स्वागत केशव सिंह पांणौ ने किया। संचालन प्रकल्प संयोजक दुर्गेश नागर ने किया। आभार भोज शोध संस्थान के निदेशक डॉ दीपेंद्र शर्मा ने माना। पौष्टिक आहार में जीजामाता महिला मंडल प्रभारी मीनाक्षी लहरे ने मोरधान की खीर का वितरण किया जो बहुत पसंद किया गया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी राकी मक्क ने दी।

बच्चों को दिया सफलता का मंत्र

बाकानेर। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार जन शिक्षा केंद्र बाकानेर अंतर्गत बालक प्रावि बाकानेर, प्रावि बिड़पुरा, प्रावि नयापुरा कल्याणपुरा में भविष्य से भेट हेतु प्रावि बालक बाकानेर में जनपद पंचायत उमरबन महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष ज्योति खुशाल अग्रवाल, संकुल प्राचार्य किरण वास्केल, विकासखंड अकादमिक समन्वयक देवेंद्र सोलंकी, सांदीपनि उमावि से शालिग्राम केवट, जनशिक्षक तेजालाल पंवार उपस्थित हुए, बच्चों से चर्चा की। प्रावि बिड़पुरा में एनव्हीडीए से उपयंत्री महेंद्र मंडलोई, प्रावि नयापुरा कल्याणपुरा में विकासखंड शिक्षा अधिकारी सत्यनारायण सूर्यवंशी, राजेश राजेश रावल उपस्थित हुए एवं बच्चों से भविष्य को लेकर बातचीत की ओर परीक्षा में सफलता हेतु प्रोत्साहन दिया गया। कार्यक्रम के तहत जनप्रतिनिधि और अधिकारी स्कूलों में शिक्षक की भूमिका में नजर आए और विद्यार्थियों से सीधे जुड़कर उन्हें मार्गदर्शन दिया। बच्चों को पढ़ाई के साथ जीवन कौशल की अहमियत समझाई। उन्होंने कहा कि सिर्फ किताबों तक सीमित रहना काफी नहीं है, बल्कि व्यावहारिक ज्ञान भी उतना ही जरूरी है। जानकारी जनशिक्षक तेजालाल पंवार द्वारा दी गई।

राज्यपाल ने बदनावर में शहीद रवींद्र सिंह राठौर की प्रतिमा का किया लोकार्पण

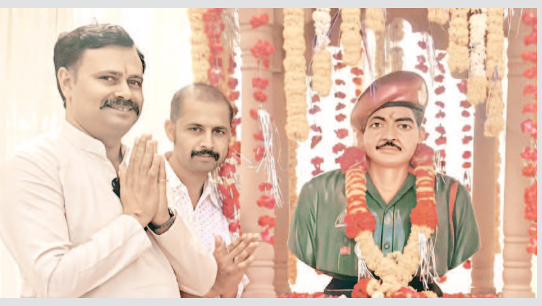

बदनावर। माथुर कॉलोनी स्थित शहीद पार्क में रविवार को गौरव, सम्मान और राष्ट्रभक्ति का भावपूर्ण वातावरण देखने को मिला, जब मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने अमर शहीद नायब सूबेदार रविंद्र सिंह राठौर की प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। 20 जनवरी, 1958 को बदनावर तहसील की ग्राम पंचायत फुलेड़ी के ठिकाना पाना में जन्मे इस वीर सपूत ने साधारण किसान परिवार से निकलकर भारतीय सेना में अपनी बहादुरी का परचम लहराया। 9 जुलाई, 2001 को जम्मू-कश्मीर के सुरनकोट क्षेत्र में आतंकवादियों से हुई भीषण मुठभेड़ में उन्होंने तीन दुश्मनों को मार गिराते हुए मातृभूमि की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान दिया। राज्यपाल ने इस अवसर पर शहीद की धर्मपत्नी प्रताप कुंवर राठौर का शॉल-श्रीफल से सम्मान किया, और कहा कि यह स्मारक केवल प्रतिमा नहीं, बल्कि साहस, समर्पण और राष्ट्रनिष्ठा का जीवंत संदेश है, जो नई पीढ़ी को देशसेवा के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने नगर परिषद द्वारा निर्मित शहीद पार्क और प्रतिमा स्थापना के प्रयासों की विशेष सराहना करते हुए कहा कि शहीदों की स्मृतियों को संजोना समाज की नैतिक जिम्मेदारी है। नगर परिषद अध्यक्ष और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रयास प्रेरणादायी हैं। समारोह के दौरान पार्क परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। वहीं, उपस्थित जनसमुदाय ने अमर शहीद रविंद्र सिंह राठौर अमर रहें के गगनभेदी नारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, विधायक नीना वर्मा, पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, नगर परिषद अध्यक्ष मीना शेखर यादव, सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। इससे पूरा आयोजन शौर्य, स्मृति, और गौरव के जनोत्सव में बदल गया।

ठेका बंद का असर, पारा में जगह-जगह, धड़ल्ले बिक रही अवैध शराब

शैलेन्द्र राठौर

पारा। मार्च में नियमानुसार प्रदेश भर में देशी-विदेशी शराब दुकान की नीलामी सरकार द्वारा की गई। वहीं पूर्व में जो ठेकेदार जहां-जहां शराब दुकान चला रहे थे, उनके लिए पिछली जमा की गई राशि से बीस प्रतिशत अधिक मूल्य पर पुन: ठेका रिनिवल करने का प्रावधान भी था।

जिले भर की कई शराब दुकानों का लायसेंस पुन: रिनिवल हो गया। वहीं करीब आठ शराब दुकानों पर पूर्ववृति शराब ठेकेदारों ने गत वर्ष शासकीय मूल्य पर नीलम में लीं गईं में अत्यधिक नुकसान होने के कारण इस वर्ष पुन: रिनिवल करवाने में अपनी रूचि नहीं दिखाई जिसके कारण जिले में आठ कमपोजिट शराब दुकान का न तो रिनिवल हुआ और न ही किसी अन्य ठेकेदार ने इन शेष बची कमपोजिट शराब दुकान को लेने में अपनी रूचि दिखाई। इसी के चलते जिले की करीब आठ कमपोजिट शराब दुकान को आबकारी विभाग के कर्मचारी देख रहे है द्य किन्तु समाचार लिखें जाने तक आज शासकीय नियमानुसार वित्तीय वर्ष को बदले पांच दिन बीत गए है किन्तु शासकीय शराब दुकानों पर शराब की एक भी बोतल नहीं है। इन्हीं आठ कमपोजिट शराब दुकान में से एक दुकान पारा नगर की भी है जोकि झाबुआ रोड स्थित बखतपुरा में है उक्त कमपोजिट शराब दुकान भी नीलम नहीं होने कारण सरकारी नियंत्रण पांच दिन से है लेकिन शराब दुकान पर शराब नहीं होने से आवैध शराब विक्रेताओ की चांदी हो रही है द्य इसी चलते क्षेत्र में कई अवैध शराब विक्रेता और सप्लायर पैदा हो गए है द्य क्षेत्र में प्रतिदिन लाखो की अवैध शराब खप रही है द्य लेकिन इस और आबकारी व पुलिस विभाग का कोई ध्यान नहीं है।

प्रशासन की मौन स्वीकृति

अवैध शराब विक्रेता धड़ल्ले से बोरी राजगढ़ अलीराजपुर आदि कई जगह से रात में अवैध शराब ला रहे है और ग्रामीण अंचल में मनमाने दामों पर बेच रहे है द्य पारा क्षेत्र में करीब 150 के लगभग अवैध शराब विक्रेता है वही करीब 15 से बीस ढाबा भी है जिन पर शराब परोसी जाती है। एक तरफ आदिवासी समाज सहित अन्य समाज में शादी ब्याह का सीजन चल रहा है। वही कही से कोई नकली जहरीली शराब क्षेत्र में आगई तो इसका परिणाम क्या होगा इसका अंदाज सहज ही लगाया जा सकता है। वही ठेके पर शराब नहीं होने से व आबकारी विभाग का इस और ध्यान नहीं होने से अवैध शराब विक्रेताओ के होंसले बुलंद है।

इनका कहना है...

जिस तरह की क्षेत्र में शराब की बिक्री होती वह आगे से उपलब्ध नहीं है जैसे ही आपूर्ति शुरू होगी दुकान पर मिलना शरू हो जाएगी। वहीं अवैध शराब विक्रेता पर हम लगातार कार्रवाई कर रहे हैं।
- विकास वर्मा, आबकारी निरीक्षक वृत, झाबुआ

राज्यपाल पहुंचे मांडू, प्राचीन चतुर्भुज श्रीराम के किए दर्शन

मांडू। शाम 4 बजे हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने की आगवानी, मांडू से रवाना होकर बदनावर के कार्यक्रम में होंगे शामिल मांडू. मध्य प्रदेश के राज्यपाल डॉ मगू भाई पटेल शनिवार मांडू पहुंचे।

शाम को जहाज महल का भ्रमण कर मांडू पर आधारित लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से इस प्राचीन नगरी के पुरातात्विक वैभव को जाना। यहां उन्होंने धार जिले की विश्व प्रसिद्ध बाग प्रिंट कला के विषय में जानकारी ली। राज्यपाल मंगू भाई पटेल के दौरे के चलते सुरक्षा के कड़े इंतजाम यहां देखने को मिले। शाम 4 मांडू में मीरा की जिरात पर बने हेलीपैड पर राज्यपाल का उड़न खटोला उतरा। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी क्षेत्रीय सांसद विधायक ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उनका काफिला पर्यटन विकास निगम की होटल मालवा रिसोर्ट की ओर रवाना हुआ। यहां राज्यसभा सांसद समर सिंह सोलंकी भी स्वागत के लिए पहुंचे। यहां राज्यपाल बेहद सरल एवं सहज नजर आए। शनिवार होने से यहां पर्यटकों को थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा। राज्यपाल के दौरे को लेकर पिछले दो दिनों से यहां साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर लगातार सक्रियता देखी जा रही थी।

बाग प्रिंट शोरूम पहुंचे राज्यपाल कहा किसी दौर मैंने भी किया यह काम

राज्यपाल मंगू भाई पटेल मांडू स्थित नेहा बाग प्रिंट शोरूम पहुंचे। यहां पहुंचने पर नेहा जायसवाल द्वारा उनका स्वागत किया गया। राज्यपाल ने यहां समूह की महिलाओं से चर्चा की और धार जिले की प्रसिद्ध बाग प्रिंट कला को समझा। उपस्थित लोगों से उन्होंने अपने जीवन के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि जीवन के किसी दौर में गुजरात के सूरत शहर मे मेने भी कपड़ा बनाने का काम किया है। लेकिन राजनीति में सक्रिय होने के बाद मुझे काम छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि हथकरघा कला और हैंडमेड वस्तुएं विलुप्त होती जा रही हैं इसलिए इस कला को संरक्षण मिलना जरूरी है। मुझे खुशी है कि इस आदिवासी अंचल में महिलाएं इस कला के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने कहा की रानी रूपमती और मां अहिल्या को आदर्श मानकर महिलाएं आगे बढ़े सरकार उनके साथ है। उन्होंने इस बात पर भी खुशी जाहिर की की पहले मांडू में बाग प्रिंट के ठप्पे लगाए जाते थे पर अब यहां पर वस्त्र निर्माण के लिए कपड़ा भी तैयार किया जा रहा है।

प्रेस बिटेरियन ईसाई समाज में गुड फाइडे पर प्रार्थना सभा

धार। स्थानीय प्रेसबिटेरियन ईसाई समाज में गुड फाइडे पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम स्वर्गीय सुनील डेविड कुरिया के निधन पर दो मिनट का मौन रख उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मॉडरेटर रेव्हरेण्ड सुभाष डेविड कुरिया की अध्यक्षता में ईसा मसीह द्वारा क्रूस पर से कहीं गईं सात क्रूसवाणियों पर चिंतन मनन किया गया। मॉडरेटर रेव्हरेण्ड कुरिया ने कहा कि ईसा मसीह का क्रूस पर बलिदान परमेश्वर की उद्धार योजना अंतर्गत मानव जाति को पापों से क्षमा प्रदान कर परमेश्वर से मिलाप कराता है। पास्टर प्रीतेश निकल्स द्वारा ' तू आज ही मेरे साथ स्वर्ग लोक में होगा वाणी की व्याख्या की गई। श्रीमती मर्सी स्टेला चंद ने 'हे नारी देख यह तेरा पुत्र और यह तेरी माता है वाणी पर चिंतन मनन किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू फ्रांसिस, महिला सभा अध्यक्ष सिस्टर विमला मसीह, कार्यक्रम संयोजक श्रीमती हंसारानी डेविड, श्रीमती दीपा निकल्स, युवा सभा अध्यक्ष उत्कर्ष डेविड द्वारा बाइबल पाठ किया गया। श्रीमती सेरा स्वरूप फ्रांसिस, श्रीमती नम्रता डामोर, श्रीमती शलाका हिवाले डेविड द्वारा संयुक्त रूप से भक्तिमय गीतों की प्रस्तुति दी गई। बाल कलाकार सामर्थ निकल्स प्रेरणा निकल्स और इथन डेविड कुरिया द्वारा भी सहभागिता की गई। उपवास काल (लैंट डेज़) के पश्चात क्रिश्चियन कैलेंडर अनुसार ईसा मसीह के जीवन के अंतिम सप्ताह दुख भोग सप्ताह (पेशन वीक) में पाम संडे आराधना, घर-घर प्रार्थना सभा, अंतिम प्रभु भोज आराधना का आयोजन आनंद नगर कुष्ठ धाम, मिशन कंपाउंड तथा मॉडरेटर निवास पर श्रद्धापूर्वक किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाज जनों ने भाग लिया। रविवार को पुनरुत्थान पर्व (ईस्टर सण्डे) मनाया जाएगा। जिसमें आनंद नगर और सीता पाठ ईसाई कब्रिस्तानों पर सूर्योदय के समय प्रार्थना सभा का संचालन किया जाएगा।

एक नजर ब्लॉक के 91 गांवों में 85 प्रतिशत टीकाकरण का कार्य हो चुका है पूर्ण...

बाग विकासखंड में एसडीएम के निर्देशन में एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान प्रगति पर

बाग। विकासखण्ड में किशोरियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए चलाया जा रहा एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है। यह अभियान विशेष रूप से 14-15 वर्ष की बालिकाओं को गंभीर बीमारी से बचाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) संक्रमण से बचाव के लिए यह टीकाकरण अत्यंत आवश्यक माना जाता है, क्योंकि इससे भविष्य में होने वाले कई गंभीर रोगों से सुरक्षा मिलती है। शासन की इस जनकल्याणकारी योजना को सफल बनाने के लिए प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इस अभियान को सफल बनाने में आदरणीय आईएएस विशाल धाकड़ कुक्षी, जिला शिक्षा अधिकारी केशव वर्मा धार, नायब तहसीलदार मुकेश मालवीया, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी डी.एस. बघेल, जनपद पंचायत सीईओ विष्णु गुप्ता, बीआरसी श्री धर्मेन्द्र ठाकुर तथा बीएमओ मुवेल का विशेष मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त हो रहा है। इन सभी अधिकारियों के सामूहिक प्रयास, सतत निगरानी और प्रभावी नेतृत्व के कारण बाग ब्लाक में एचपीवी टीकाकरण अभियान ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

टीककरण के लिए घर-घर जाकर समझाया: अभियान के प्रारंभ से ही प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि प्रत्येक पात्र बालिका तक इस टीकाकरण की जानकारी पहुंचे और उन्हें समय पर टीका लगाया जाए। इसके लिए स्कूलों, आंगनवाड़ी केन्द्रों तथा ग्राम स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर अभिभावकों को इस टीके के महत्व के बारे में समझाया। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में बैठकें आयोजित कर लोगों को यह बताया गया कि एचपीवी वैक्सीन बालिकाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। इन प्रयासों का ही परिणाम है कि बाग विकासखण्ड में अब तक लगभग 85 प्रतिशत टीकाकरण कार्य पूर्ण हो चुका है। यह उपलब्धि प्रशासनिक समन्वय, विभागीय सहयोग और समाज की सक्रिय भागीदारी का प्रतीक है। इस अभियान के दौरान स्कूलों में विशेष टीकाकरण शिविर लगाए गए, जहां स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने छात्राओं को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से टीका लगाया। शिक्षकों ने भी छात्राओं को प्रेरित करने और अभिभावकों से संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अभियान के संचालन में जिला और विकासखण्ड स्तर के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें प्रगति की जानकारी ली गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इससे अभियान को गति मिली और कार्य अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सका। अधिकारियों ने यह भी सुनिश्चित किया कि किसी भी गाँव या स्कूल में कोई पात्र बालिका टीकाकरण से वंचित न रह जाए। बाग ब्लाक के 91 गाँवों में इस अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए प्रशासन और संबंधित विभागों द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिन क्षेत्रों में अभी टीकाकरण शेष है, वहां विशेष टीमों को भेजकर कार्य को शीघ्र पूर्ण किया जाएगा। साथ ही ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और स्वास्थ्य कर्मियों की सहायता ली जा रही है। अभियान के अगले चरण में घर-घर सर्वे कर उन बालिकाओं की पहचान की जा रही है, जिन्हें अभी तक टीका नहीं लग पाया है। इसके बाद विशेष शिविर लगाकर उन्हें टीकाकरण से जोड़ा जाएगा। इस प्रक्रिया में स्कूल प्रबंधन, ग्राम पंचायत, आंगनवाड़ी और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मिलकर कार्य कर रहे हैं, जिससे अभियान की सफलता सुनिश्चित हो सके। एचपीवी टीकाकरण अभियान केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम ही नहीं, बल्कि समाज के भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। किशोरियों का स्वस्थ रहना समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है। जब बालिकाएं स्वस्थ होंगी, तभी वे शिक्षा, रोजगार और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगी। अंततः यह कहा जा सकता है कि आदरणीय अधिकारियों के मार्गदर्शन और सभी विभागों के संयुक्त प्रयासों से बाग विकासखण्ड में एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में 85 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।